इतिहास (प्रश्न-पत्र–I)

निर्धारित समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़िए)

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं।

परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों की शब्द-सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

HISTORY (PAPER–I)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—A / SECTION—A

1. आपको दिए गए मानचित्र पर अंकित निम्नलिखित स्थानों की पहचान कीजिए एवं अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में उनमें से प्रत्येक पर लगभग *30* शब्दों की संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। मानचित्र पर अंकित प्रत्येक स्थान के लिए स्थान-निर्धारण संकेत क्रमानुसार नीचे दिए गए हैं :

Identify the following places marked on the map supplied to you and write a short note of about *30* words on each of them in your Question-cum-Answer Booklet. Locational hints for each of the places marked on the map are given below seriatim : 50

(i) पुरापाषाणकालीन स्थल

Palaeolithic site

(ii) शवाधान-युक्त मध्यपाषाणकालीन स्थल

Mesolithic site with burials

(iii) नवपाषाणकालीन गर्तावास

Neolithic pit-dwelling

(iv) प्रारम्भिक ग्रामीण बस्ती

Early village settlement

(v) नवपाषाणकालीन स्थल

Neolithic site

(vi) नवपाषाणकालीन-ताम्रपाषाणकालीन स्थल

Neolithic-Chalcolithic site

(vii) हड़प्पन यूनेस्को स्थल

Harappan UNESCO site

(viii) महापाषाणकालीन शवाधान स्थल

Megalithic burial site

(ix) द्वितीय संगम का स्थल

Place of Second Sangam

(x) प्रारम्भिक सातवाहन राजधानी

Earliest Satavahana capital

(xi) अशोक का अभिलिखित प्रतिमा स्थल

Place of inscribed statue of Ashoka

(xii) प्रथम गुप्तकालीन मुद्रा-निधि

First Gupta hoard of coins

(xiii) धात्विक प्रतिमा-निधि

Hoard of metal sculptures

(xiv) प्राचीन बन्दरगाह

Ancient port

(xv) प्राचीनतम जेसुइट चर्च

Oldest Jesuit church

(xvi) गान्धार कला-केन्द्र

Centre of Gandhara art

(xvii) बौद्ध विहार

Buddhist monastery

(xviii) प्रारम्भिक विष्णु मन्दिर स्थल

Place of earliest Vishnu temple

(xix) शैव एवं बौद्ध मन्दिर संकुल

Shiva and Buddhist temple complex

(xx) प्रारम्भिक चैत्य गृह

Earliest Chaitya Griha

INDIA—POLITICAL

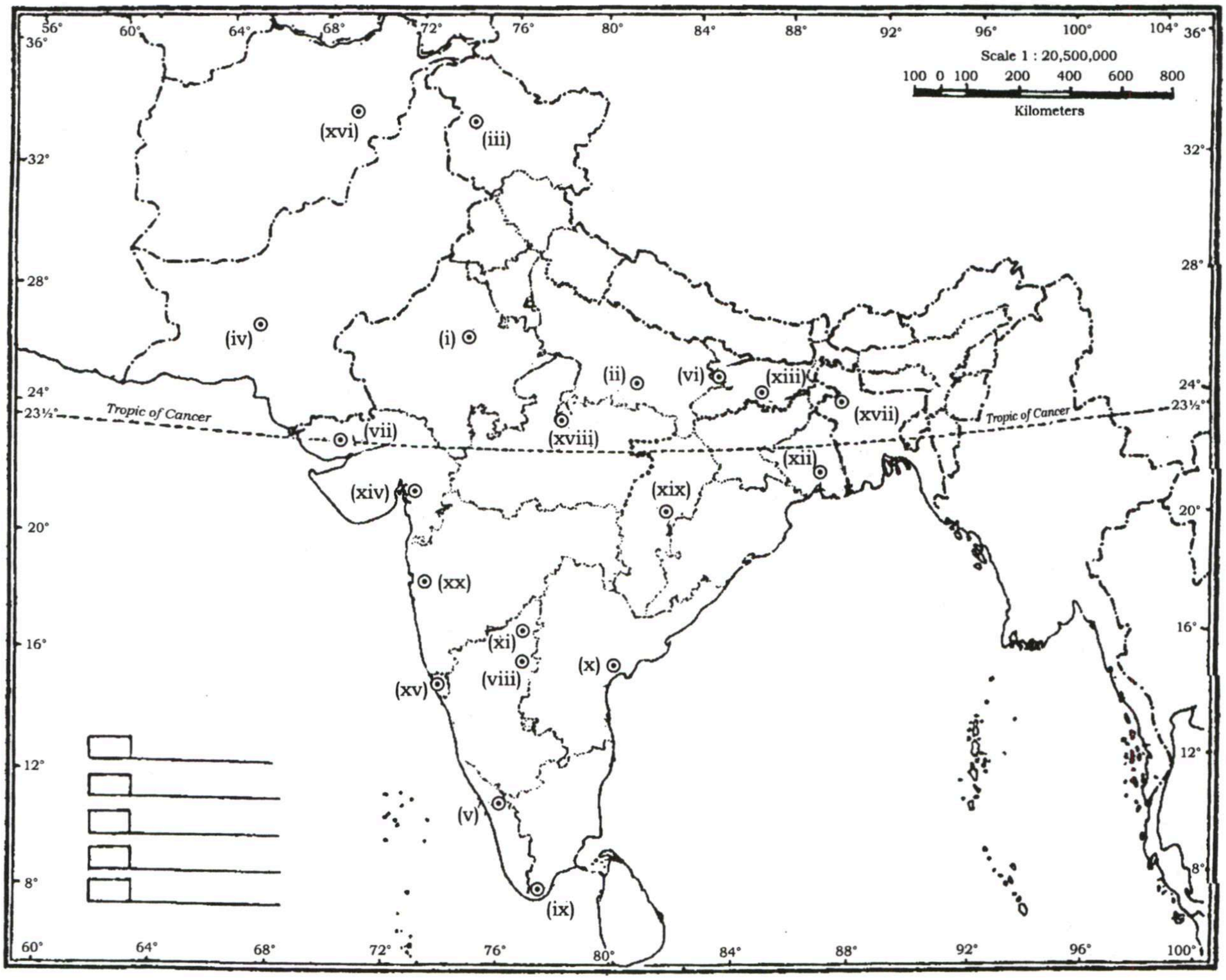

2. *(a)* हड़प्पीय सभ्यता का नगरीय चरित्र न तो किसी बाहरी प्रभाव का परिणाम था और न ही कोई अचानक होने वाली घटना अपितु यह स्थानीय सामाजिक-आर्थिक कारकों का क्रमिक विकास था। टिप्पणी कीजिए।

The urban character of the Harappan Civilization was a result neither of any outside influence nor a sudden act but a gradual evolution of regional socio-economic factors. Comment. 20

(b) प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत के रूप में विदेशी विवरण के कुछ लाभ हो सकते हैं, परन्तु इनमें कतिपय कमियाँ भी थीं। उपयुक्त उदाहरणों का हवाला देते हुए इस कथन का परीक्षण कीजिए।

Foreign accounts as a source of ancient Indian history may have some advantages but also have a few shortcomings. Citing appropriate examples, examine the statement. 15

(c) बौद्ध धर्म के कुछ विचारों की उत्पत्ति भले ही वैदिक-उपनिषदीय परम्परा में रही हो, परन्तु अपने विशिष्ट सिद्धांत और संस्थाओं के साथ यह पूर्ण रूप से एक नया धर्म था। विवेचना कीजिए।

Though some of the ideas of Buddhism may have had their origin in Vedic-Upanishadic traditions but it was an altogether new religion with its own specific principles and institutions. Discuss. 15

3. *(a)* गुप्त शासकों की आर्थिक उपलब्धियाँ एक ऐसी प्रक्रिया की परिणति थी जो कुषाण शासकों के समय शुरू हुई थी। टिप्पणी कीजिए।

The economic achievements of the Guptas were the culmination of a process which began during the Kushanas. Comment. 20

(b) अशोक के धम्म का प्रचार-प्रसार न केवल नैतिक उत्थान और सामाजिक समरसता के लिए अपितु राज्य की शक्ति के विस्तार के लिए भी किया गया था। इस कथन का विश्लेषण कीजिए।

Ashoka's Dhamma was propagated not just for moral upliftment and social harmony but also for the extension of the state's authority. Analyse the statement. 15

(c) प्रतिनिधि उदाहरणों की मदद से मन्दिर स्थापत्यकला की नागर और द्रविड़ शैलियों के बीच की प्रमुख भिन्नताओं का निरूपण कीजिए।

With the help of representative examples, delineate the main differences between the Nagara and Dravida styles of temple architecture. 15

4. *(a)* आठवीं तथा नौवीं शताब्दी के दौरान उत्तर भारत पर प्रभुत्व हेतु त्रिकोणीय संघर्ष के महत्त्व का मूल्यांकन कीजिए।

Evaluate the importance of tripartite struggle for the domination over North India during the eighth and ninth centuries. 20

(b) पूर्व मध्यकाल में तमिल भक्ति आन्दोलन की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the chief characteristics of Tamil Bhakti Movement during the early medieval period. 15

(c) कल्हण की *राजतरंगिणी* प्रारम्भिक भारत में इतिहास लेखन परम्परा का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है। विवेचना कीजिए।

Kalhana's *Rajatarangini* is the best example of history writing tradition in early India. Discuss. 15

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से प्रत्येक का उत्तर लगभग *150* शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about *150* words each : 10×5=50

(a) 'ब्रह्मदेय' अनुदान क्या थे? पूर्व मध्यकाल में बड़ी संख्या में दिए गए इस तरह के अनुदानों का विवरण आप कैसे देंगे?

What were 'Brahmadeya' grants? How do you account for the large number of such grants in the early medieval period?

(b) तेरहवीं शताब्दी के उत्तर भारत में अधिक संख्या में शहरी बस्तियों की स्थापना मुख्य रूप से तुर्की सैन्य टुकड़ियों की समस्त भू-भाग में तैनाती के कारण हुई थी। टिप्पणी कीजिए।

The establishment of large number of urban settlements in North India in the thirteenth century was principally owing to the deployment of Turkish garrisons across the lands. Comment.

(c) इल्तुतमिश की मृत्यु के उपरान्त अधिकांश राजनैतिक अस्थिरता चहलगान की करतूत का परिणाम थी। स्पष्ट कीजिए।

Much of the political instability after the death of Iltutmish was the doing of the Chahalgan. Elucidate.

(d) राजपूत चित्रकला, शैली में मुगल थी पर विषयवस्तु में राजपूत। टिप्पणी कीजिए।

The Rajput school of painting was Mughal in style and Rajput in its content. Comment.

(e) अट्ठारहवीं शताब्दी में मराठा शक्ति के उत्थान की व्याख्या कीजिए।

Account for the rise of the Maratha power in the eighteenth century.

6\. *(a)* अलाउद्दीन खिलजी के बाज़ार नियंत्रण सुलतान की सैन्य शक्ति के लिए उपयोगी थे, परन्तु सल्तनत की अर्थव्यवस्था के लिए हानिकारक। टिप्पणी कीजिए।

The market regulations of Ala-ud-din Khilji were useful for the Sultan's military might but harmful for the economy of the Sultanate. Comment. 15

(b) अकबर के राज्यकाल में मनसबदारी व्यवस्था की प्रकृति का परीक्षण कीजिए।

Examine the nature of the Mansabdari system during the reign of Akbar. 15

(c) चोल शासकों का सामुद्रिक विस्तार प्रमुखतया उनके विदेशी वाणिज्यिक हितों से प्रेरित था। स्पष्ट कीजिए।

Chola maritime expansion was driven largely by concerns of overseas commerce. Elucidate. 20

7\. *(a)* बारहवीं शताब्दी के दक्षिणी दक्कन में वीरशैव आन्दोलन वास्तव में एक समाज सुधार का प्रयास था। विवेचना कीजिए।

The Virashaiva Movement of Southern Deccan in the twelfth century was essentially an attempt at social reform. Discuss. 15

(b) हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के विभिन्न घराने केन्द्रीय राजशाही के बजाय क्षेत्रीय रियासतों के संरक्षण के परिणाम थे। विवेचना कीजिए।

The various Gharanas of Hindustani classical music were outcomes of patronage by regional princely courts, rather than central imperial ones. Discuss. 15

(c) विजयनगर राज्य और बहमनी के उत्तराधिकारी राज्यों के मध्य दीर्घकालीन संघर्ष सांस्कृतिक कारणों से कम और सामरिक तथा आर्थिक कारणों से ज्यादा प्रभावित था। टिप्पणी कीजिए।

The prolonged conflict between the Vijayanagara Kingdom and the Bahmani successor states was influenced less by cultural factors, and more by strategic and economic considerations. Comment. 20

8\. *(a)* मुगल काल में व्यापार एवं वाणिज्य ने भारतीय उपमहाद्वीप का एकल बाज़ार में एकीकरण किया। टिप्पणी कीजिए।

Trade and commerce in the Mughal Empire brought about the integration of the Indian subcontinent into a single market. Comment. 15

(b) औरंगज़ेब की दक्कन नीति मुगलों के पतन का एक प्रमुख कारण थी। विवेचना कीजिए।

Aurangzeb's Deccan policy was a major factor in Mughal decline. Discuss. 15

(c) पंद्रहवीं शताब्दी की वैष्णव भक्ति परम्परा ने प्रादेशिक साहित्य के उत्कर्ष में योगदान दिया। उपयुक्त उदाहरणों के साथ विवेचना कीजिए।

The Vaishnava Bhakti tradition of the fifteenth century contributed to the flourishing of provincial literature. Discuss with appropriate examples. 20

★ ★ ★